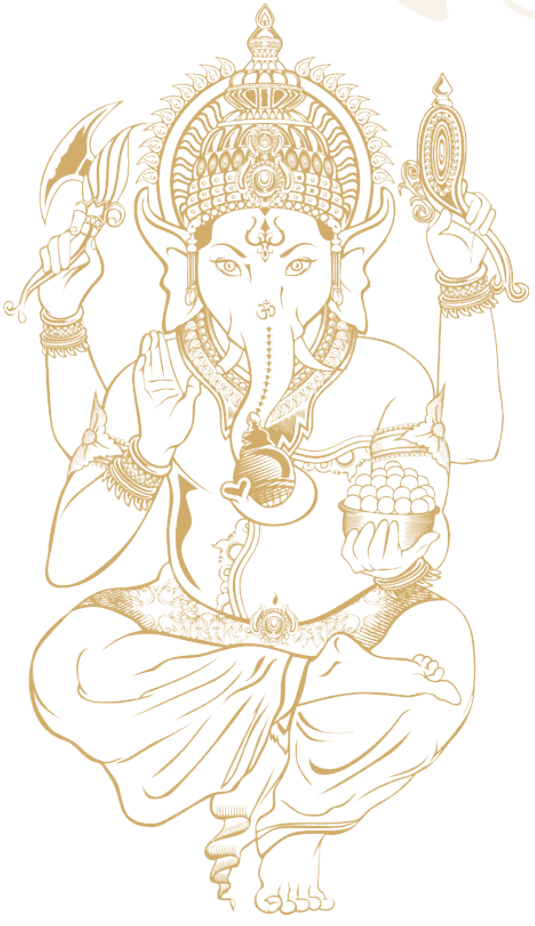

Mr.Raju Ram Sharma

23 Sep 1971

04:00 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017 **Order No: 119688201**

तिथि 23/09/1971 **समय** 04:00:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:27:56
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	03:43:22 घं
वेलान्तर	00:07:20 घं
सूर्योदय	06:09:09 घं
सूर्यास्त	18:18:39 घं
चैत्रादि संवत	2028
शक संवत	1893
मास	आश्विन
पक्ष	शुक्ल
तिथि	4
नक्षत्र	स्वाति
योग	वैधृति
करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
होरा	गुरु
चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी

राहु 10वर्ष 10मा 9दि

बुध

02/08/2017
03/08/2034

बुध	30/12/2019
केतु	26/12/2020
शुक्र	27/10/2023
सूर्य	01/09/2024
चन्द्र	01/02/2026
मंगल	29/01/2027
राहु	17/08/2029
गुरु	23/11/2031
शनि	03/08/2034

योगिनी

पिंगला 1वर्ष 2मा 14दि

उल्का

06/12/2020
07/12/2026

उल्का	07/12/2021
सिद्धा	06/02/2023
संकटा	07/06/2024
मंगला	07/08/2024
पिंगला	06/12/2024
धान्या	07/06/2025
भ्रामरी	06/02/2026
भद्रिका	07/12/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			06:38:26	सिंह	मघा	2	केतु	राहु	---	0:00			
सूर्य			05:47:25	कन्या	उ०फाल्गुनी	3	सूर्य	बुध	सम राशि	1.19	कलत्र	पितृ	वध
चंद्र			11:57:18	तुला	स्वाति	2	राहु	शनि	सम राशि	1.11	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			19:36:12	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	उच्च राशि	1.35	अमात्य	भ्रातृ	मित्र
बुध			23:02:54	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	शनि	मित्र राशि	1.39	आत्मा	ज्ञाति	साधक
गुरु			08:09:04	वृश्चि	अनुराधा	2	शनि	शुक्र	मित्र राशि	0.93	ज्ञाति	धन	विपत
शुक्र		अ	12:51:49	कन्या	हस्त	1	चंद्र	राहु	नीच राशि	0.80	मातृ	कलत्र	मित्र
शनि	व		13:02:59	वृष	रोहिणी	1	चंद्र	राहु	मित्र राशि	1.12	भ्रातृ	आयु	मित्र
राहु	व		20:01:51	मक	श्रवण	4	चंद्र	केतु	मित्र राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		20:01:51	कर्क	आश्लेषा	2	बुध	शुक्र	मित्र राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

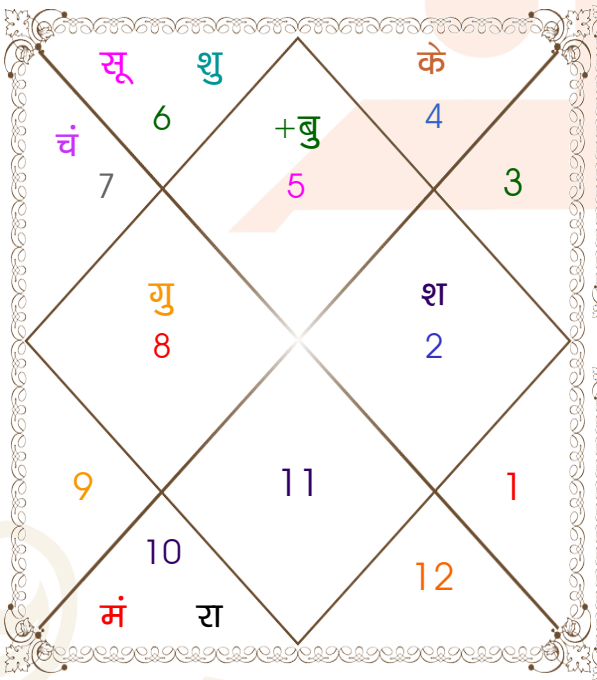

चन्द्र कुंडली

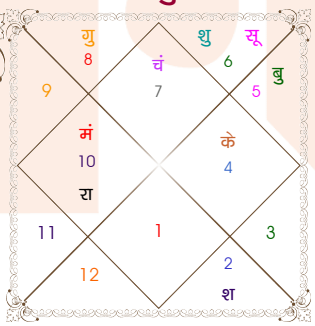

नवमांश कुंडली

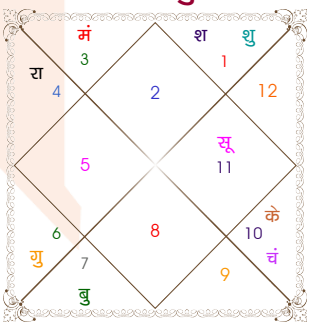

सर्वाष्टकवर्ग

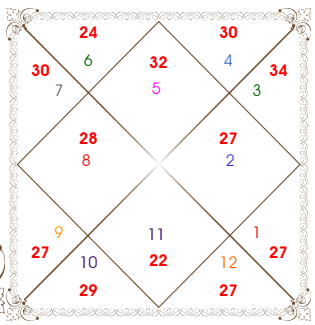

दशमांश कुंडली

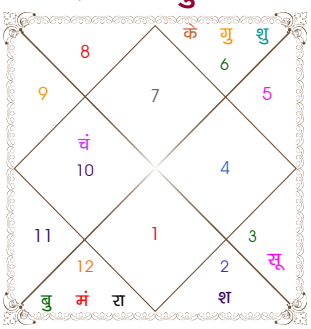

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी।इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा तथापि यदा कदा आपको शारीरिक रूप से कष्ट या परेशानी हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर मन में व्याकुलता तथा अशान्ति रहेगी। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके सामान्य संबंध रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। साथ ही यदा कदा अल्प समय के लिए संबंधों में तनाव भी हो सकता है। इस वर्ष में आपके विगत रूके हुए कार्य परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है । संतति पक्ष के लिए समय मध्यम रहेगा तथा अपने क्षेत्र में वे सामान्यतया उन्नतिशील रहेंगे परन्तु आपको उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों में भी न्यूनता रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा व्यापार में सामान्य सफलता प्राप्त होगी। साथ ही लाभ भी होगा परन्तु अल्प मात्रा में। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा विलम्ब भी होगा। साथ ही विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा इस वर्ष उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे अतः इनसे आपको विशेष सहयोग एवं लाभ नहीं मिलेगा। इस वर्ष में स्वपराक्रम से आप मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे साथ ही आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी परन्तु समय अत्यन्त ही परिश्रमशील रहेगा। अतः धैर्य पूर्वक अपने समस्त कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों तथा वृतियों के सम्पन्न करने में विशेष रूचि का प्रदर्शन अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सामान्य सफलता आर्जित होगी तथा आपको काफी परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा।साथ ही आपके सौभाग्य में वृद्धि तो होगी परन्तु इसका प्रभाव अल्प मात्रा में रहेगा तथापि किसी महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिल ही जाएगी। इस समय सामान्य रूप से आपको भौतिक सुख संसाधन भी प्राप्त होंगे परन्तु उनका उपभोग आप मध्यम रूप से कर सकेंगे। इसके साथ ही किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय की भी संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप इसमें उन्नति एवं लाभ अर्जित कर सकेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपके उन्नतिमार्ग प्रशस्त होंगे परन्तु इसमें किंचित विलम्ब की संभावना रहेगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप संबध स्थापित करेंगे तथा समय समय पर उनसे न्यूनाधिक सहयोग अर्जित करते रहेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य तथा मानसिक संकल्प पूर्ण होने की संभावना बनेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आपको सामान्य सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए परिश्रम तथा संघर्ष पूर्ण होकर किंचित सुख प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

प्रथम मास

23/09/2025 03:20:24 से 23/10/2025 13:51:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	28:07:04
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:55:35
चन्द्र		कन्या	हस्त	18:06:50
मंगल		तुला	चित्रा	06:10:22
बुध		कन्या	हस्त	13:38:12
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:11:02
शुक्र		सिंह	मघा	09:55:10
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:09:45
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:08:31
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:08:31
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	06:38:26

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

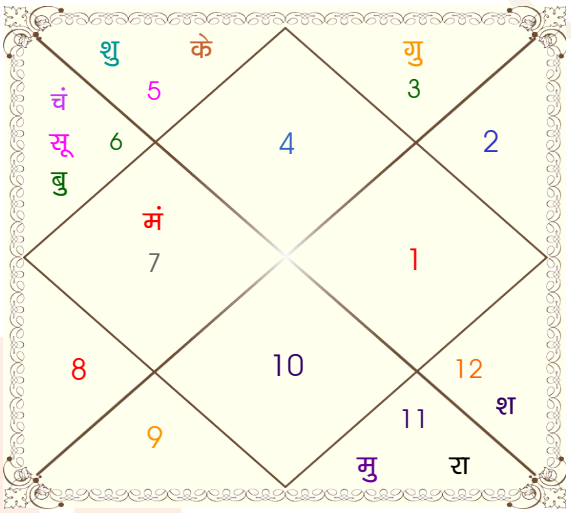

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास

23/10/2025 13:51:27 से 23/11/2025 00:22:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	18:15:14
सूर्य		तुला	चित्रा	05:58:08
चन्द्र		तुला	विशाखा	25:55:54
मंगल		तुला	विशाखा	27:07:15
बुध		तुला	विशाखा	28:50:54
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:19:38
शुक्र		कन्या	हस्त	17:32:50
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:01:21
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:21:57
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:21:57
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	09:08:26

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

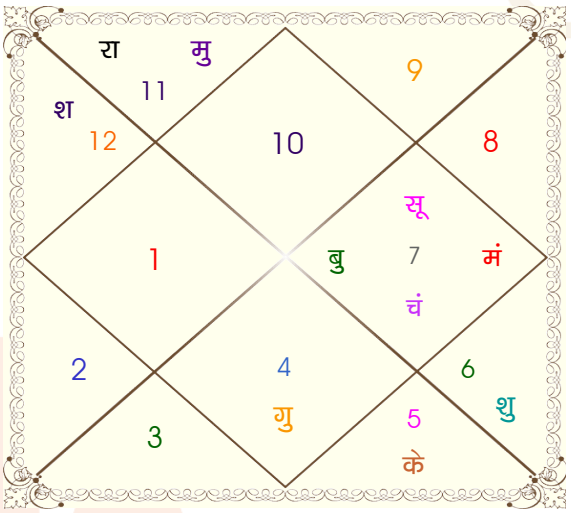

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय मास

23/11/2025 00:22:30 से 23/12/2025 10:53:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	11:31:45
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	06:30:30
चन्द्र		धनु	मूल	03:47:06
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:00:49
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	00:57:27
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:43:38
शुक्र		तुला	विशाखा	25:39:18
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:57:49
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:38:10
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:38:10
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	11:38:26

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

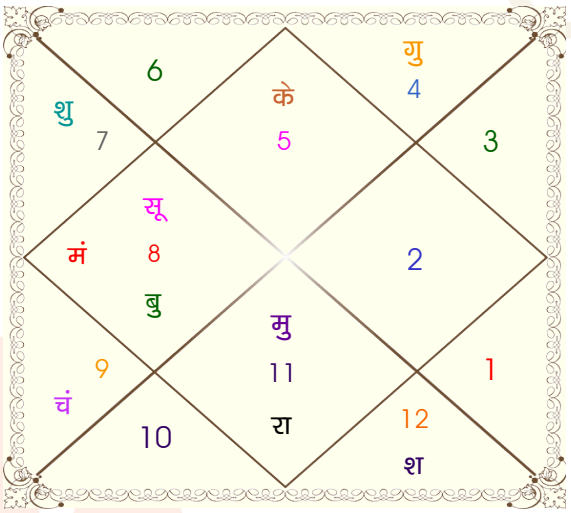

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चतुर्थ मास
23/12/2025 10:53:33 से 22/01/2026 21:24:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	07:59:39
सूर्य		धनु	मूल	07:24:23
चन्द्र		मकर	श्रवण	12:46:30
मंगल		धनु	मूल	11:46:06
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:17:35
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:14:11
शुक्र		धनु	मूल	03:56:28
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:29:44
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:09:00
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:09:00
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	14:08:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

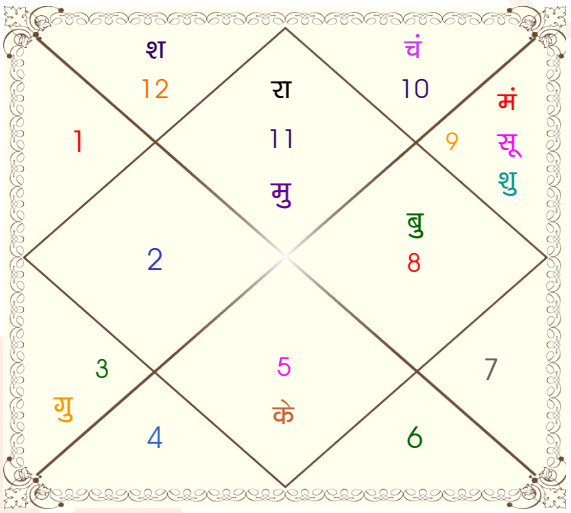

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पंचम् मास

22/01/2026 21:24:36 से 22/02/2026 07:55:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:06:28
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:24:49
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:49:49
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:12:48
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:05:01
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:15:25
शुक्र		मकर	श्रवण	12:13:47
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:32:41
राहु		कुम्भ	शतभिषा	15:07:37
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:07:37
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	16:38:26

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

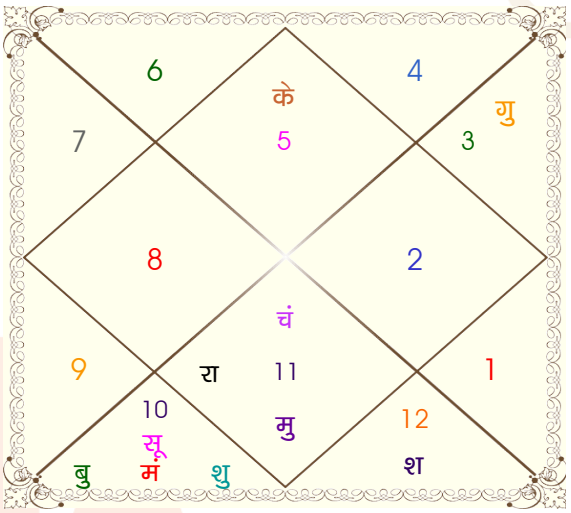

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

22/02/2026 07:55:39 से 24/03/2026 18:26:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:33:47
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	09:14:41
चन्द्र		मेष	अश्विनी	07:28:57
मंगल		मकर	धनिष्ठा	29:05:02
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:55:14
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:20:10
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:22:49
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:41:22
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:44:49
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:49
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	19:08:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

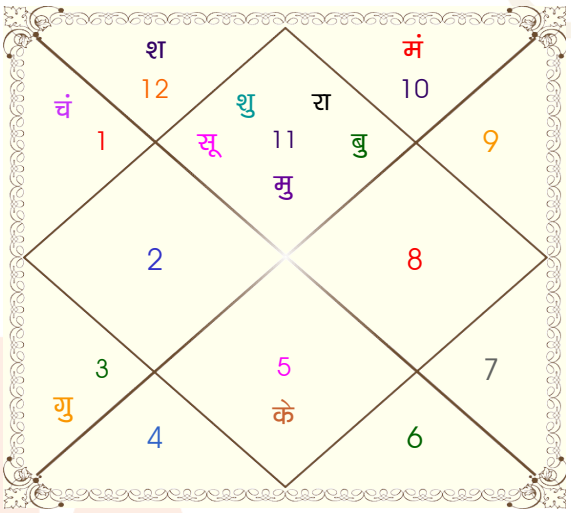

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे साथ ही आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप इस मास में धनार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित होगा। इस समय सासारिक कार्यो को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा आदर प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं संतति से पूर्ण रूप से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए शुभ रहेगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

सप्तम् मास
24/03/2026 18:26:42 से 24/04/2026 04:57:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:46:43
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	09:40:16
चन्द्र		वृष	रोहिणी	22:57:17
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:02:48
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:55:02
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:09:06
शुक्र		मीन	रेवती	28:12:49
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:23:31
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:30:10
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:30:10
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:38:26

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

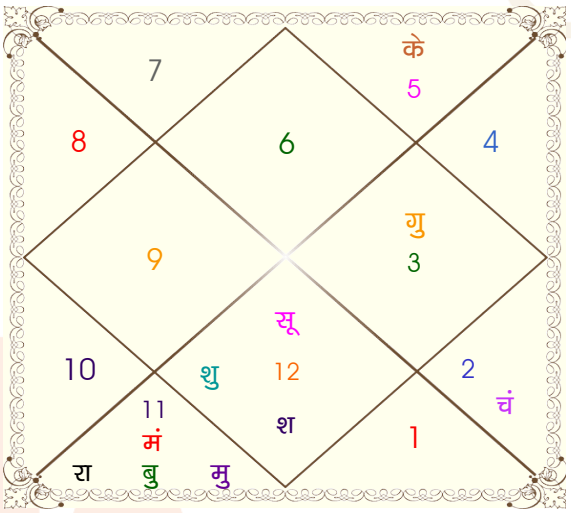

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
24/04/2026 04:57:45 से 24/05/2026 15:28:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	21:37:01
सूर्य		मेष	अश्विनी	09:35:18
चन्द्र		कर्क	पुष्य	07:57:20
मंगल		मीन	रेवती	16:45:01
बुध		मीन	रेवती	19:21:20
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:45:41
शुक्र		वृष	कृतिका	05:32:28
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:06:48
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:06:42
केतु	व	सिंह	मघा	13:06:42
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:08:26

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

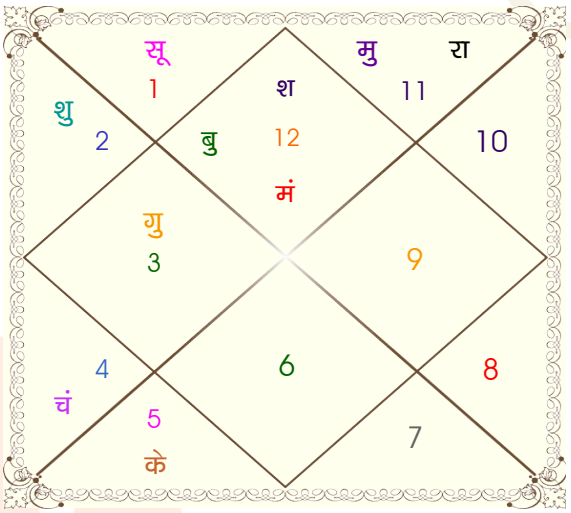

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रूप से व्यतीत होगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुष्ट मनुष्यों की संगति से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय आप आर्थिक संकट से भी उलझे रहेंगे। अतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अत्यन्त परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित पूजन तथा सत्कार नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप हानि प्राप्त करेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से लाभ अर्जित करेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। जिसके फलस्वरूप कोई धार्मिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इस प्रकार यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा।

नवम् मास
24/05/2026 15:28:48 से 24/06/2026 01:59:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	22:25:20
सूर्य		वृष	कृतिका	09:02:00
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:34:21
मंगल		मेष	अश्विनी	09:53:09
बुध		वृष	रोहिणी	20:37:27
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:26:41
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	12:10:40
शनि		मीन	रेवती	17:20:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:27:52
केतु	व	सिंह	मघा	10:27:52
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:38:26

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

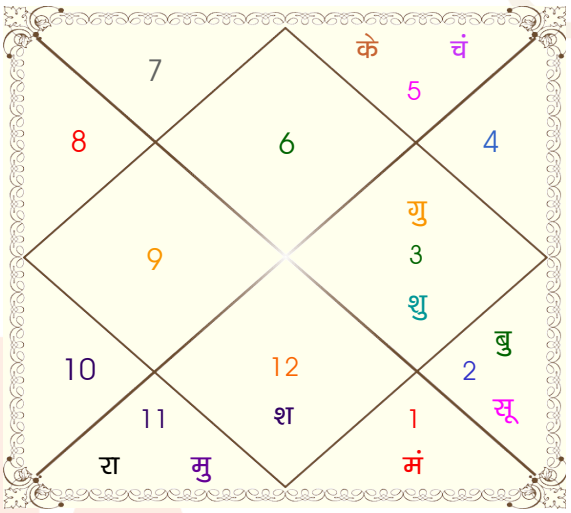

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
24/06/2026 01:59:51 से 24/07/2026 12:30:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	12:29:35
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	08:09:36
चन्द्र		तुला	चित्रा	00:34:16
मंगल		वृष	कृतिका	02:13:16
बुध		कर्क	पुनर्वसु	00:42:36
गुरु		कर्क	पुष्य	04:25:00
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	17:48:34
शनि		मीन	रेवती	19:36:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:38:29
केतु	व	सिंह	मघा	07:38:29
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:08:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

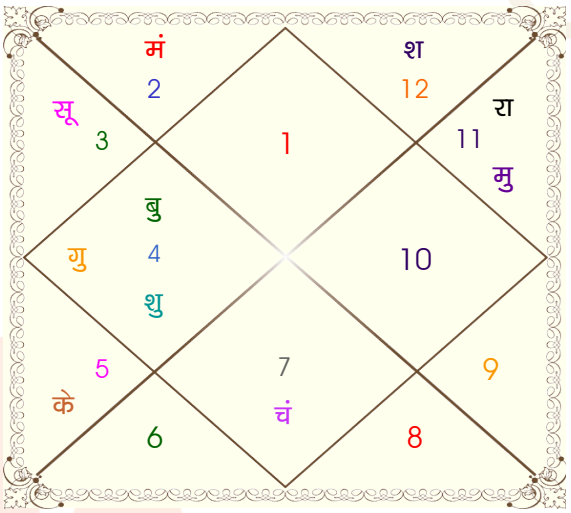

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास

24/07/2026 12:30:54 से 23/08/2026 23:01:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	05:55:57
सूर्य		कर्क	पुष्य	07:11:38
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	08:41:57
मंगल		वृष	मृगशिरा	23:35:41
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:05:29
गुरु		कर्क	पुष्य	11:01:28
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:42:04
शनि		मीन	रेवती	20:30:50
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:57:19
केतु	व	सिंह	मघा	05:57:19
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	01:38:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

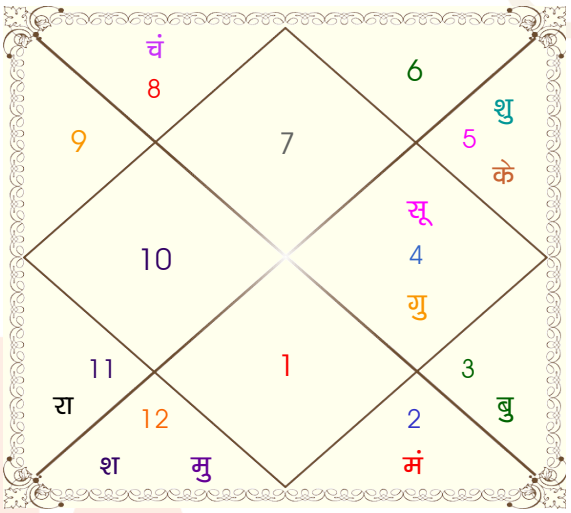

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे।साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वादश मास

23/08/2026 23:01:57 से 23/09/2026 09:33:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	01:15:37
सूर्य		सिंह	मघा	06:22:46
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:57:43
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	13:52:06
बुध		सिंह	मघा	02:18:18
गुरु		कर्क	आश्लेषा	17:42:35
शुक्र		कन्या	हस्त	21:56:42
शनि	व	मीन	रेवती	19:52:10
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:49
केतु		सिंह	मघा	05:35:49
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	04:08:26

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

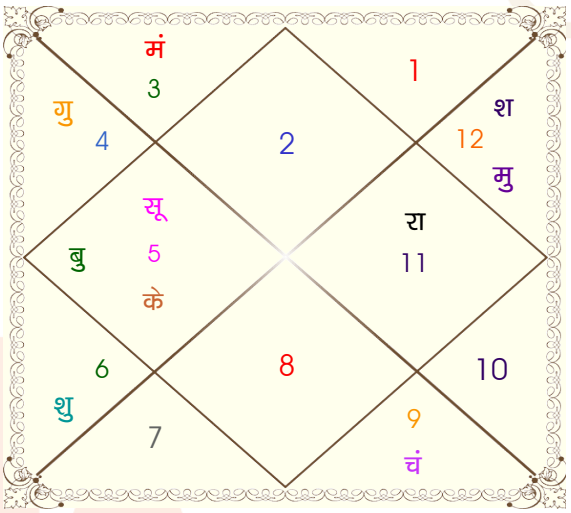

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।